Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 05-08-2005

Participants : Wagmare Shri Suresh Ganapat

>

Title : Need to improve the functioning of Hindi Vishwa Vidyalaya, Wardha, Maharashtra.

श्री सुरेश वाघमारे (वर्धा) : सभापति महोदया, मैं हिंदी के बारे में सरकार का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं। हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा एकमात्र ि वद्यालय है जोकि देश में हिंदी की शिक्षा के प्रचार और प्रसार को बढ़ावा देता है। लेकिन यह देखना जरुरी है कि राट्रभाा हिंदी के लिए सरकार की ओर से कौनसी सुविधाएं विश्वविद्यालय को दी गयी हैं, कौनसी योजना सरकार के पास हिंदी विश्वविद्यालय के बारे में है। मुझे ज्ञात है कि गत् तीन वर्ों में हिंदी विश्वविद्यालय के लिए दिया गया आवंटन और वहां का कार्य बहुत ही निराशाजनक रहा है, ऐसा आज तक सरकार की नीति से महसूस होता है।

सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि हमारी राट्रभाा हिंदी के प्रति उदारतावादी दृटिकोण अपनाया जाए। हिंदी विश्व की भाा हो, इस प्रकार का प्रयास सरकार की ओर से होना जरूरी है। वर्धा पूजनीय महात्मा गांधी जी और विनोबा जी की कर्मभूमि रहा है। अपने जीवन-काल में उन्होंने हिंदी को प्राथमिकता दी, आज उसी वर्धा में हिंदी विश्वविद्यालय के माध्यम से वहां सरकार कुछ न कुछ प्राथमिकता देकर हिंदी को बढ़ावा दे, जिससे हिंदी दुनिया की भाा बने, यही मैं सरकार से कहना चाहता cÚÆ[r66]।